महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) *(A*
Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय में गांधी जयंती समारोह

मुलचंद बडजाते ने गांधी से जुड़े संस्मरणों से किया आप्लावित

गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में उपस्थित कुलपति विभूति नारायण राय, प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन, कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे, गांधी चिंतक मूलचंद बडजाते तथा डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी।

वर्धा दिनांक 8 अक्टूबर 2012 : मुझे क्या पता था कि मुझे पढ़ाने वाला जाकिर हुसैन एक दिन देश का राष्ट्रपति बनेगा और मुझे क्या पता था कि मुझे पढ़ाने वाला विनोबा इतना बड़ा संत बनेगा। गांधी की 144 वीं जयंती पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय परिसर में स्थित गांधी हिल्स पर अवस्थित गांधी प्रतिमा में समक्ष अपने सस्मरणों से दर्शक दीर्घा को आप्लावित कर रहे थे वर्धा शहर के वयोवृद्ध 89 वर्षीय गांधी और विनोबा के साथ अपने जीवन के बहुतायत वर्ष बिताने वाले मुलचंद बडजाते। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति विभूति नारायण राय ने की। प्रात: 6.30 बजे प्रारंभ हुए समारोह में प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन, कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे प्रमुखता से उपस्थित थे।

बडजाते ने अपने सस्मरणों की श्रृंखला में यह भी बताया कि उस समय शिक्षा में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने की इच्छा न होते हुए भी ब्रिटिश शिक्षा नीति के तहत अंग्रेजी माध्यम स्वीकारना पडता था। हिंदी प्रचार के लिए गांधी जी के आवाहन पर राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के लिए हमारे समय के अनेक साथियों ने एसबेस्ट्स की प्रतियों को कंधे पर लादकर समिति प्रांगण पहुंचाए थे। इस अवसर पर उनके साथ पधारे पूर्व प्राचार्य प्रो सुरेंद्र जैन ने गांधी की विनोद वृत्ति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विनोद वृत्ति से गांधी ने बड़े से बड़े उलझे काम को भी सहज बनाकर सफलता प्राप्त की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन ने गांधी जयंती को अहिंसा दिवस के रूप में बड़े पैमाने पर कार्यक्रम करने का सुझाव दिया जो वैश्विक स्तर पर दुनिया को संदेश दे सके। समारोह के दौरान दामोदर राउत और उनके सहयोगियों ने गांधी का प्रिय भजन वैष्णव जन तो तेणे कहिए सहित अनेक भजन प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे ने इस अवसर पर उपस्थित विद्वतजनों एवं विद्यार्थियों को तहेदिल से धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में अध्यापक, अधिकारी, छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय के छात्रों ने दिया अहिंसा का संदेश

गांधी प्रतिमा से सेवाग्राम तक निकली रैली, विदेशी छात्र हुए अभिभूत

रैली की अगुआयी करते मध्य में कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे।

वर्धा दि. 8 अक्टूबर 2012: राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में वर्धा शहर में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा से सेवाग्राम तक आयोजित अहिंसा दिवस रैली में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के छात्रों ने सहभागिता की। विश्वविद्यालय के गांधी हिल परिसर से छात्र-छात्राओं ने अपने हाथों में अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर शांति एवं अहिंसा का संदेश देने वाले बैनर लेकर गांधी प्रतिमा तक मार्च किया। रैली में विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी, सुरक्षा अधिकारी राजेन्द्र घोडमारे सहित गृहरक्षक दल के गार्डस बड़ी संख्या में शामिल हुए। रैली सेवाग्राम

स्थित बापू कुटी में पहुंचने पर कुलसचिव डॉ कैलाश खामरे ने रैली की अगुआयी की। उन्होंने इस रैली में सहभागिता के लिए समस्त छात्र, कर्मी तथा होमगार्डस के सदस्यों को धन्यवाद दिया।

सेवाग्राम में आयोजित समारोह में विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ाई कर रहे विदेशी छात्र-छात्राओं ने भी हिस्सा लिया। गांधी की पावन भूमि पर इस प्रकार के सामूहिक आयोजन से विदेशी छात्र अभिभूत हुए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, गांधी विचार परिषद के भारत महोदय, परमधाम आश्रम पवनार के गौतम बजाज, सेवाग्राम आश्रम के अध्यक्ष मा. म. गडकरी सहित अनेक सामाजिक, शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक संस्थाओं के प्रमुख एवं प्रतिनिधी उपस्थित थे।

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी